कार्यालय

मुख्य मंत्री, उत्तर प्रदेश

लोक भवन, लखनऊ

Non-I.G.R.S.

आज़ादी का अमृत महोत्सव

संख्या .....

दिनांक .....

CB0007010172284

प्रमुख सचिव,
उच्च शिक्षा विभाग।

कृपया श्री संजय सिंह गंगवार, मा0 राज्य मंत्री, गन्ना विकास एवं चीनी मिलें के संलग्न पत्र दिनांक 13.08.2025 का अवलोकन करने का कष्ट करें, जो गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पूरनपुर को जनहित में मय स्टाफ अनुदानित कराये जाने के सम्बन्ध में है। **यह पत्र मा0 मुख्यमंत्री जी को मिलकर दिया गया है।**

मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा परीक्षणोंपरान्त नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही किए जाने एंव कृत कार्यवाही से अवगत कराए जाने की अपेक्षा की गई है।

संलग्नक-यथोक्त

13.08.2025
(सूर्य पाल गंगवार)
सचिव, मुख्यमंत्री
उत्तर प्रदेश शासन।

मुख्य मंत्री कार्यालय अनुभाग-1

संजय सिंह गंगवार
राज्य मंत्री
गन्ना विकास एवं चीनी मिलें
उत्तर प्रदेश

उ० प्र० सचिवालय,
जी–1/4, छठा तल, बापूभवन,
लखनऊ।
दूरभाष (कार्या०) : 0522-2237287
आवास : 0522-2238668
(सी०एच०) : 0522-2214798

मा0 मुख्यमंत्री जी।

दिनांक .....

कृपया डॉ सुधीर कुमार शर्मा, प्राचार्य, गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पूरनपुर के प्रार्थना–पत्र का अवलोकन करने का कष्ट करें, जिसमे इन्होने अवगत कराया है कि गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पूरनपुर वर्ष 1994 में स्थापित हुआ था तथा इस क्षेत्र मे एकमात्र महाविद्यालय है, जिसमें बी0ए0, बी0कॉम0, एम0ए0 एवं बी0एस0सी0 कृषि इत्यादि पाठ्यक्रमो के लगभग 2000 से अधिक विद्यार्थी अपना अध्ययन पूर्ण कर कर रहें। यह महाविद्यालय विगत कई वर्षो से क्षेत्र के शैक्षिक विकास में गहत्वपूर्ण योगदान देने के साथ राष्ट्रीय स्तर पर कई सम्मान प्राप्त कर चुका है। उक्त विद्यालय को शासकीय अनुदान पर लिये जाने हेतु पूर्व में कई बार अनुरोध किये जाने के उपरान्त भी इस दिशा में कोई सार्थक निर्णय नहीं हो पा रहा है, जबकि मान्यता के समय ही यह निर्धारित किया गया था कि आगामी 03 वर्षों के उपरान्त बाद ही उक्त विद्यालय को अनुदान पर लिया जाना था। इतने वर्ष व्यतीत होने के उपरान्त भी विद्यालय को अनुदान पर लिया जाना सम्भव नही हो पाया है। श्री शर्मा जी द्वारा उक्त विद्यालय को मय–स्टाफ अनुदानित कराने का अनुरोध किया गया है। इस संबध में आपके निर्देसानुसार पत्रावली मा0 सच्च शिक्षा मंत्री जी के पास विचाराधीन है।

अतः उक्त पारिस्थितियो के दृष्टिगत आपसे अनुरोध है कि गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पूरनपुर को जनहित मे मय स्टाफ अनुदानित कराने हेतु संबंधित को आदेशित करने की कृपा करे।

संलग्नक–यथोक्त।

सादर

13.06.2016

गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पूरनपुर
जनपद पीलीभीत (उ०प्र०) पिन 262122
(एम०जे०पी०रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली से सम्बद्ध)

Web-www.gkmpooranpur.com, Email- principalgkpgcollege@gmail.com Mob.9412486571, 7017196641

Ref. Date . 13.8.25

सेवा में ,

माo मुख्यमंत्री जी
उत्तर प्रदेश सरकार,
लखनऊ।

विषयः— **गन्ना किसानों की कटौती से संचालित महाविद्यालय को मय–स्टाफ अनुदानित महाविद्यालय घोषित करने के सम्बन्ध में,**

आदरणीय महोदय,

आपके संज्ञान मे लाना है कि गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय पूरनपुर पीलीभीत (सम्बद्ध एम.जे.पी. रूहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली) सन 1994 में स्थापित हुआ था, 15 नवम्बर 1994 को महामहिम श्री राज्यपाल महोदय/कुलाधिपति महोदय द्वारा सस्था को मान्यता प्रदान की गयी थी, महाविद्यालय को 3 वर्ष तक निजी संसाधनों से संचालित करना था इसके बाद सरकार द्वारा अनुदान सूची पर लेना था, इसी आशय से महाविद्यालय में उच्च शिक्षा सेवा आयोग से चयनित प्राचार्य एवं प्रवक्ताओं की नियुक्ति हुई और **महाविद्यालय को अनुदान की प्रत्याशा में वर्ष 2006 तक 1–1 वर्ष का मान्यता विस्तारीकरण किया जाता रहा।** महाविद्यालय निरंतर अनुदान की प्रत्याशा में गन्ना कृषको की गन्ना मूल्य कटौती से संचालित रहा तथा वर्ष 2006 में स्थाई मान्यता के समय इस महाविद्यालय को स्ववित्तपोषित श्रेणी में ला दिया गया जिस पर महाविद्यालय प्रशासन द्वारा आपत्ति भी की गयी तब से लगातार शासन स्तर पर पत्रावली पर आदेश निर्गत होते रहे परन्तु आज तक पत्रावली का निस्तारण नहीं हो सका जबकि बीच मे कई बार अनुदानित महाविद्यालय के स्ववित्तपोषित शिक्षकों का विनियमितीकरण किया गया।

वर्तमान में इस महाविद्यालय में बी.ए. प्रथम वर्ष में 800 सीटें, बी.कॉम.प्रथम वर्ष में 60 सीटें तथा एम.ए. छः विषय में प्रत्येक विषय में 30–30 सीटें एवं बी.एस.सी. कृषि में 60 सीटें स्वीकृत हैं। इस क्षेत्र में कोई भी शासकीय/अशासकीय अनुदानित महाविद्यालय नहीं है, इस महाविद्यालय की अनुदान की पत्रावली गन्ना आयुक्त उ०प्र०/शिक्षा निदेशक की संस्तुति के साथ महोदय के निर्देश पर प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा के यहाँ लंबित है। इस क्षेत्र के गरीब छात्र–छात्राएं शुल्क न दे पाने के कारण उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। प्रारंभ के वर्षों में इस महाविद्यालय में 132/– रूपये शिक्षण शुल्क लिया जाता था, वर्तमान मे अनुदान न मिलने के कारण 3472/– रूपये शिक्षण शुल्क लेकर महाविद्यालय को संचालित किया जा रहा है। 2015–16 से गन्ना किसानों ने अपने गन्ना मूल्य से कटौती न कराने का निर्णय लिया जिस कारण महाविद्यालय के संचालन में विषम परिस्थिति उत्पन्न हो गई है। महाविद्यालय के पास 21.5 एकड़ भूमि है जोकि महामहिम श्री राज्यपाल/कुलाधिपति/शासन के नाम रजिस्टर्ड है। इस महाविद्यालय में स्वयं महामहिम श्री राज्यपाल महोदय द्वारा 23/02/2018 को मेधावी/पुरातन छात्र–छात्राओं को महाविद्यालय परिसर में सम्मानित किया जा चुका है तथा आपके आशीर्वाद से 15 नवम्बर 2022 को प्राकृतिक खेती के ऊपर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें देश के विभिन्न प्रदेशों के शिक्षाविदों ने प्रतिभाग किया जिसका लाभ क्षेत्र के किसानो, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को प्राप्त हुआ। वर्तमान में महाविद्यालय विश्वविद्यालय, प्रदेश एव देश में अपनी पहचान बना चुका है।

महाविद्यालय को भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय द्वारा ग्रीन अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। महाविद्यालय में कार्यरत स्टाफ एवं क्षेत्र के जन प्रतिनिधि भी इसके संचालन को लेकर चिंतित हैं कि गन्ना किसानों ने अपने खून पसीने की कमाई से जिस तरह इस महाविद्यालय को स्थापित किया कहीं इसका भविष्य 31 वर्ष बाद अन्धकार में न हो जाए। इसी को दृष्टिगत रखते हुए पूर्व में जन–प्रतिनिधियों द्वारा महोदय से महाविद्यालय को अनुदानित कराने का अनुरोध किया जा चुका है और **तत्कालीन गन्ना आयुक्त महोदय श्री संजय आर. भूसरेड्डी जी द्वारा प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को पत्र लिखकर महाविद्यालय को अनुदानित किये जाने का**

गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पूरनपुर
जनपद पीलीभीत (उ०प्र०) पिन 262122
(एम०जे०पी०रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली से सम्बद्ध)

Web-www.gkmpooranpur.com, Email- principalgkpgcollege@gmail.com Mob.9412486571, 7017196641

अनुरोध किया गया है साथ ही तत्कालीन गन्ना आयुक्त महोदय श्री प्रमोद कुमार उपाध्याय जी द्वारा भी प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को पत्र लिखकर महाविद्यालय को अनुदानित किये जाने का अनुरोध किया गया है, इसके अतिरिक्त कई बार उच्च शिक्षा विभाग द्वारा महाविद्यालय की आख्या शासन को प्रेषित की जा चुकी है।

आपके सज्ञान में लाना है कि 1994 में स्ववित्तपोषित जैसी कोई भी योजना नहीं थी और 1994 के समस्त महाविद्यालय अनुदान सूची पर जा चुके हैं जबकि विशेष सचिव उच्च शिक्षा द्वारा प्रेषित रिपोर्ट में शासनादेश 11.11.1997 की बात की जा रही है जिसके आधार पर यह कहा जा रहा है कि अनुदान सूची पर लिए जाने की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। जबकि यह महाविद्यालय 11.11.1997 से पूर्व स्थापित है और इसका समस्त स्वामित्व राज्य सरकार के आधीन है। इस महाविद्यालय की स्थापना के बाद से 2006 तक महाविद्यालय को अनुदान की प्रत्याशा में मान्यता का विस्तारीकरण किया गया जबकि 11.11.1997 के शासनादेश एवं मंत्री परिषद् की बैठक के पश्चात् शासनादेश दिनांक 21.08.2000 के बाद भी इस महाविद्यालय की मान्यता का विस्तारीकरण 2006 तक किया जाता रहा तथा इसे स्ववित्तपोषित की श्रेणी में लाया गया जिस पर तब से लगातार शासन को अवगत कराया जाता रहा है, ऐसी स्थिति में महाविद्यालय को अनुदान सूची/अधिग्रहण किया जा सकता है। क्षेत्रीय विधायक माननीय श्री बाबूराम पासवान एव गन्ना राज्यमंत्री माननीय श्री संजय सिंह गंगवार द्वारा भी महाविद्यालय को अनुदानित किये जाने का महोदय से अनुरोध किया गया है। महोदय के संज्ञान में लाना है कि पूरनपुर ब्लाक एशिया का सबसे बड़ा ब्लाक है। पूरनपुर तहसील/ब्लाक में कोई भी अनुदानित महाविद्यालय स्वतंत्रता से लेकर आज तक स्थापित नहीं हुआ जिससे कि इस क्षेत्र के गरीब छात्र–छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर सके। इस महाविद्यालय द्वारा आज भी बहुत न्यूनतम शुल्क पर/सरकारी मानकों पर छात्र–छात्राओं को शिक्षा ग्रहण करायी जा रही है।

आपके आशीर्वाद एवं सहयोग से महाविद्यालय में बी.एस.सी. कृषि की कक्षाओं के सफल संचालन के लिए 02 करोड़ रुपये की धनराशि गन्ना विभाग द्वारा आवंटित की गई है जिसमें 32 लाख रूपये वेतन हेतु हुए। शेष धनराशि से भवन निर्माण कार्य प्रारम्भ हो गया है। वर्तमान में वेतन आदि पर लगभग 1.5 करोड़ का व्यय भार है। ऐसी स्थिति मे महाविद्यालय की समस्त व्यवस्थायें सुचारू रूप से संचालित नहीं हो पा रहीं है एवं वेतन मद में अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता है।

अतः आदरणीय महोदय से विनम्रतापूर्वक निवेदन है कि पत्र में वर्णित समस्त बिन्दुओं एवं परिस्थितियों पर सम्यक एवं सहानुभूतिपूर्वक बिचार करते हुए गन्ना किसानों द्वारा स्थापित गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय पूरनपुर पीलीभीत को मय–स्टाफ अधिग्रहण करते हुए अनुदान सूची में सम्मिलित करने के आदेश पारित करने की कृपा करें।

आशीर्वाद का आकांक्षी।

भवदीय

(डॉ० सुधीर कुमार शर्मा)
प्राचार्य
गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय
पूरनपुर पीलीभीत।
मो0–7017196641,9410261710
Email- sks.20101971@gmail-com

207

प्रेषक,

आयुक्त,
गन्ना एवं चीनी, उ.प्र.,
17, न्यूबेरी रोड, डालीबाग,
लखनऊ।

सेवा में,

प्रमुख सचिव,
उच्च शिक्षा,
उ.प्र.शासन,
लखनऊ।

पत्र संख्याः 548 /समिति दिनांक 28.12.17

विषयः गन्ना कृषक महाविद्यालय, पूरनपुर जनपद–पीलीभीत को अनुदान सूची में सम्मिलित किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए अवगत कराना है कि, जनपद–पीलीभीत में गन्ना किसानों की कटौती से सहकारी गन्ना विकास समिति लि., पूरनपुर द्वारा संचालित गन्ना कृषक महाविद्यालय, पूरनपुर की स्थापना वर्ष 1994 में की गयी। वर्तमान में इस महाविद्यालय में लगभग 1700 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। उक्त महाविद्यालय वर्ष 1994 से आज की तिथि तक गन्ना किसानों की कटौती से प्राप्त धनराशि से संचालित हो रहा है। जिला गन्ना अधिकारी, पीलीभीत जोकि उक्त महाविद्यालय के पदेन अध्यक्ष हैं, ने अपने पत्र संख्याः 2521 दिनांक 29.11.2016 द्वारा अवगत कराया है कि महामहिम राज्यपाल/ कुलाधिपति जी के पत्र संख्याः 1937/जी. एस. दिनांक 13.10.2006 द्वारा दिनांक 01.07.2006 से स्थायी सम्बद्धता प्रदान की गयी है। उक्त महाविद्यालय का संचालन नियमानुसार अनुदान की प्रत्याशा में दिनांक 01.07. 1994 से किया जा रहा है। इस महाविद्यालय को अनुदान सूची में सम्मिलित करने अथवा राजकीय महाविद्यालय घोषित करने हेतु किये गये प्रयासों के उपरान्त भी स्थिति यथावत बनी हुई है, जबकि वर्ष 1994 तक स्थापित अन्य महाविद्यालय अनुदान सूची में सम्मिलित हो चुके हैं। अनुदान सूची में सम्मिलित न होने के कारण इस महाविद्यालय में कला स्नातक के अतिरिक्त अन्य फैकल्टी का विस्तार एवं परास्नातक कक्षाओं का विस्तार नहीं हो पा रहा है। वर्तमान समय में गन्ना कृषकों की कटौती से प्राप्त धनराशि से किस तरह विद्यालय का संचालन कराया जा रहा है। अनुदान की प्रत्याशा में मान्यता प्राप्त होने के कारण सरकारी सहायता प्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों की भाँति इस संस्था में भी रू.11.00 प्रति माह (रू0132.00प्रति वर्ष) ही शिक्षण शुल्क लिया जा रहा था। महाविद्यालय के संचालन में आ रही कठिनाईयों के कारण स्ववित्तपोषित योजना के अन्तर्गत शिक्षण शुल्क को बढ़ाया जाना जरूरी हो गया था। वर्तमान में शिक्षण शुल्क के रूप में रू.3472.00 प्रति वर्ष लिया जा रहा है।

जनपद–पीलीभीत की पूरनपुर तहसील के इस वृहद क्षेत्र में उच्च शिक्षा के प्रचार–प्रसार हेतु गन्ना किसानों की कटौती से निर्मित एकमात्र यही एक महाविद्यालय है। गन्ना कृषक महाविद्यालय, पूरनपुर की 35–40 किमी. की परिधि में अन्य कोई

शासकीय/अशासकीय महाविद्यालय नहीं है। महाविद्यालय में वर्तमान में लगभग 1700 से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं जिनमें से अधिकांश नितान्त निर्धन परिवार के हैं, जो किसी प्रकार शासकीय शिक्षण शुल्क रू.132.00 प्रति वर्ष दे पाते थे, परन्तु महाविद्यालय की आर्थिक स्थिति के कारण शिक्षण शुल्क रू.3472.00 प्रति वर्ष हो जाने से निर्धन वर्ग के छात्र-छात्राओं को पढाई छोडने पर विवश होना पड़ता है। इस प्रकार इस अत्यन्त पिछडे क्षेत्र में उच्च शिक्षा के प्रचार-प्रसार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। जिला गन्ना अधिकारी/अध्यक्ष, गन्ना कृषक महाविद्यालय, पूरनपुर द्वारा उक्त वर्णित परिस्थितियों में महाविद्यालय को अनुदान सूची में लाने/राजकीय महाविद्यालय घोषित कराने का अनुरोध किया गया है।

उपर्युक्त वर्णित स्थिति के परिप्रेक्ष्य में पूरनपुर परिक्षेत्र में एकमात्र स्ववित्त पोषित महाविद्यालय के संचालन में आ रही कठिनाईयों एवं निर्धन छात्र-छात्राओं को कम फीस में उच्च शिक्षा प्रदान करने के दृष्टिगत, अनुरोध है कि, गन्ना कृषक महाविद्यालय, पूरनपुर जनपद-पीलीभीत को अनुदान सूची में सम्मिलित करने अथवा राजकीय महाविद्यालय घोषित कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नक-यथोक्त।

भवदीय,

(संजय आर. भूसरेड्डी)
आयुक्त,
गन्ना एवं चीनी,उ.प्र.।

International Year of Cooperatives 2025
Cooperatives Build a Better World

प्रेषक,

आयुक्त,
गन्ना एवं चीनी तथा निबन्धक,
सहकारी गन्ना एवं चीनी मिल समितियाँ,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

प्रमुख सचिव,
उच्च शिक्षा,
उत्तर प्रदेश शासन,
लखनऊ।

पत्र संख्याः 111–12 /12/समिति/लखनऊ/दिनांकः22–05– 2025

विषयः– गन्ना कृषक स्नात्कोत्तर महाविद्यालय, पूरनपुर जिला–पीलीभीत को अनुदान सूची में सम्मिलित किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया डॉ. सुधीर कुमार शर्मा, प्राचार्य, गन्ना कृषक स्नात्कोत्तर महाविद्यालय, पूरनपुर जिला–पीलीभीत के पत्र दिनांकः09–05–2025(छायाप्रति संलग्न) का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा गन्ना कृषक स्नात्कोत्तर महाविद्यालय, पूरनपुर जिला–पीलीभीत को अनुदान सूची में सम्मिलित कराये जाने का अनुरोध किया गया है।

उपर्युक्त विषयक इस कार्यालय के पत्र संख्याः348/समिति, दिनांकः 28–12–2017 (छायाप्रति संलग्न) की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए अवगत कराना है कि, जिला–पीलीभीत में गन्ना किसानों की कटौती से सहकारी गन्ना विकास समिति लि., पूरनपुर द्वारा संचालित गन्ना कृषक स्नात्कोत्तर महाविद्यालय, पूरनपुर जिला–पीलीभीत की स्थापना वर्ष 1994 में की गयी। वर्तमान में इस महाविद्यालय में लगभग 1700 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। उक्त महाविद्यालय वर्ष 1994 से गन्ना किसानों की कटौती से प्राप्त धनराशि से संचालित रहा है। जिला गन्ना अधिकारी, पीलीभीत उक्त महाविद्यालय के पदेन अध्यक्ष हैं।

उल्लेखनीय है कि 15 नवम्बर, 1994 को महामहिम श्री राज्यपाल महोदय द्वारा संस्था को मान्यता प्रदान की गयी थी। महाविद्यालय को 3 वर्ष तक निजी संसाधनों से संचालित करना था इसके बाद सरकार द्वारा अनुदान सूची पर लेना था, इसी आशय से महाविद्यालय में उच्च शिक्षा सेवा आयोग से चयनित प्राचार्य एवं प्रवक्ताओं की नियुक्ति हुई और महाविद्यालय को अनुदान की प्रत्याशा में 1–1 वर्ष का मान्यता विस्तारीकरण किया जाता रहा। महाविद्यालय निरंतर अनुदान की प्रत्याशा में गन्ना कृषकों की गन्ना मूल्य कटौती से संचालित रहा तथा वर्ष 2006 में स्थाई मान्यता के समय इस महाविद्यालय को स्ववित्तपोषित श्रेणी में रखा गया।

वर्तमान में इस महाविद्यालय में बी. ए. प्रथम वर्ष में 600 सीटें, बी.कॉम. प्रथम वर्ष में 60 सीटें तथा एम.ए. छः विषय में प्रत्येक विषय में 30–30 सीटें स्वीकृत हैं तथा इस क्षेत्र में कोई भी शासकीय/अशासकीय अनुदानित महाविद्यालय नहीं है। प्रारंभ के वर्षों में इस महाविद्यालय में 132/– रूपये शिक्षण शुल्क लिया जाता था, वर्तमान में अनुदान न मिलने के कारण 3472/– रूपये शिक्षण शुल्क लेकर महाविद्यालय को संचालित किया जा रहा है। 2015–16 से गन्ना किसानों ने अपने गन्ना मूल्य से कटौती न कराने

का निर्णय लिया, जिस कारण महाविद्यालय के संचालन में विषम परिस्थिति उत्पन्न हो गई है। महाविद्यालय के पास 21.5 एकड़ भूमि है, जो कि महामहिम श्री राज्यपाल/कुलाधिपति/शासन के नाम रजिस्टर्ड है। वर्ष 1994 में स्ववित्तपोषित जैसी कोई भी योजना नहीं थी और 1994 के समस्त महाविद्यालय अनुदान सूची पर जा चुके हैं। प्राचार्य के उक्त पत्र के अनुसार विशेष सचिव, उच्च शिक्षा द्वारा प्रेषित रिपोर्ट में शासनादेश 11–11–1997 की बात की जा रही है, जिसके अनुसार अनुदान सूची पर लिए जाने की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है, परन्तु यह महाविद्यालय 11–11–1997 से पूर्व स्थापित है और इसका समस्त स्वामित्व राज्य सरकार के अधीन है। ऐसी स्थिति में महाविद्यालय को अनुदान सूची/अधिग्रहण किया जा सकता है। पूरनपुर तहसील/ब्लाक में कोई भी राजकीय/अनुदानित महाविद्यालय स्वतंत्रता से लेकर आज तक स्थापित नहीं हुआ, जिससे कि इस क्षेत्र के गरीब छात्र–छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर सकें। इस महाविद्यालय द्वारा आज भी बहुत न्यूनतम शुल्क पर/सरकारी मानकों पर छात्र–छात्राओं को शिक्षा ग्रहण करायी जा रही है।

इस महाविद्यालय को अनुदान सूची में सम्मिलित करने अथवा राजकीय महाविद्यालय घोषित करने हेतु किये गये प्रयासों के उपरान्त भी स्थिति यथावत बनी हुई है, जबकि वर्ष 1994 तक स्थापित अन्य महाविद्यालय अनुदान सूची में सम्मिलित हो चुके हैं। अनुदान सूची में सम्मिलित न होने के कारण इस महाविद्यालय में कला स्नातक के अतिरिक्त अन्य फैकल्टी का विस्तार एवं परास्नातक कक्षाओं का विस्तार नहीं हो पा रहा है।

जिला–पीलीभीत की पूरनपुर तहसील के इस वृहद क्षेत्र में उच्च शिक्षा के प्रचार–प्रसार हेतु गन्ना किसानों की कटौती से निर्मित यही एकमात्र महाविद्यालय है। गन्ना कृषक महाविद्यालय पूरनपुर की 35–40 किमी. की परिधि में अन्य कोई शासकीय/अशासकीय महाविद्यालय नहीं है। महाविद्यालय में वर्तमान में लगभग 1700 से अधिक छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं, जिनमें से अधिकांश नितान्त निर्धन परिवार के हैं, जो किसी प्रकार शासकीय शिक्षण शुल्क रू.132.00 प्रति वर्ष दे पाते थे, परन्तु महाविद्यालय की आर्थिक स्थिति के कारण शिक्षण शुल्क रू.3472.00 प्रति वर्ष हो जाने से निर्धन वर्ग के छात्र–छात्राओं को पढाई छोड़ने पर विवश होना पड़ रहा है। इस प्रकार इस अत्यन्त पिछड़े क्षेत्र में उच्च शिक्षा के प्रचार–प्रसार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। जिला गन्ना अधिकारी/अध्यक्ष, गन्ना कृषक महाविद्यालय, पूरनपुर द्वारा उक्त वर्णित परिस्थितियों में महाविद्यालय को अनुदान सूची में लाने महाविद्यालय घोषित कराने का अनुरोध किया गया है।

उपर्युक्त वर्णित स्थिति के परिप्रेक्ष्य में पूरनपुर क्षेत्र में एकमात्र स्ववित्त पोषित महाविद्यालय के संचालन में आ रही कठिनाईयों एवं निर्धन छात्र–छात्राओं को कम फीस में उच्च शिक्षा प्रदान करने के दृष्टिगत अनुरोध है कि गन्ना कृषक स्नात्कोत्तर महाविद्यालय, पूरनपुर जिला–पीलीभीत को अनुदान सूची में सम्मिलित करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

<u>संलग्नक–यथोक्त।</u>

भवदीय,

(प्रमोद कुमार उपाध्याय)
आयुक्त, गन्ना एवं चीनी तथा निबन्धक,
सहकारी गन्ना एवं चीनी मिल समितियाँ, उ.प्र.।

International Year of Cooperatives 2025
Cooperatives Build a Better World

पत्र संख्याः 111–12 /12/समिति/लखनऊ/दिनांकः 22–05– 2025

प्रतिलिपि डॉ. सुधीर कुमार शर्मा, प्राचार्य, गन्ना कृषक स्नात्कोत्तर महाविद्यालय, पूरनपुर जिला–पीलीभीत को उनके पत्र दिनांकः09–05–2025 के क्रम में सूचनार्थ प्रेषित।

21/5/2025
(डा. वी.बी. सिंह)
अपर गन्ना आयुक्त (समितियाँ)

कार्यालय क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, बरेली-मुरादाबाद परिक्षेत्र बरेली

[illegible] 243005
[illegible] 0581-2423799, 2510726 [illegible]
[illegible] जनपद-बरेली, बदायूँ, पीलीभीत, शाहजहाँपुर, मुरादाबाद, रामपुर, जे.पी.नगर, बिजनौर,सम्भल

कार्यालय क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, बरेली-मुरादाबाद परिक्षेत्र, बरेली

[illegible] /2018-19 [illegible]

7 [illegible]
[illegible] नहीं है।

8 [illegible] 02 [illegible] 03 [illegible] 02 [illegible] 09 [illegible]

[illegible] है।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] शिक्षा अधिकारी
बरेली [illegible]

गन्ना कृषक महाविद्यालय, पूरनपुर

जनपद पीलीभीत (उ0प्र0) पिन 262122

(एम0जे0पी0 रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय बरेली से सम्बद्ध)

Ref

Date

[illegible]

क्षेत्रीय जनपद बरेली, बदायूँ, पीलीभीत, शाहजहाँपुर, मुरादाबाद, रामपुर, जे0पी0नगर, बिजनौर, सम्भल

कार्यालय क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, बरेली-मुरादाबाद परिक्षेत्र, बरेली

पत्रांक क्षे0उ0शि0 / 2 3 6 /2019-20 दिनांक 13/5/19

सेवा में

शिक्षा निदेशक (उच्च शिक्षा) उ0प्र0
डिग्री प्लान अनुभाग
उच्च शिक्षा निदेशालय
प्रयागराज।

विषय– गन्ना कृषक महाविद्यालय, पूरनपुर, जनपद पीलीभीत को अनुदानित महाविद्यालय घोषित करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अवगत कराना है कि कार्यालय पत्रांक क्षे0का0स / 209A / 2019-20 दिनांक 15.04.2019 द्वारा शासन के प0 संख्या आई0ओ0पी0-13 / सत्तर-5-2019-40(66) / 2018 दिनांक 09 अप्रैल, 2019 के सन्दर्भ मे प्राचार्य / अध्यक्ष, गन्ना कृषक महाविद्यालय, पूरनपुर, पीलीभीत को प्रकरण मे अपना पक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये जिसके उत्तर मे प्राचार्य एवं अध्यक्ष, गन्ना कृषक महाविद्यालय पूरनपुर, पीलीभीत का पत्रांक 917 दिनांक 15.04.2019 (छायाप्रति संलग्न) प्राप्त हुआ है जिसमें अवगत कराया गया है कि गन्ना कृषक महाविद्यालय पूरनपुर पीलीभीत वर्ष 1994 में स्थापित हुआ तत्समय स्ववित्तपोषित संस्थान का कोई प्राविधान शासन स्तर पर नही था अतः किन्ही कारणो से उक्त महाविद्यालय अनुदान सूची मे सम्मिलित नही हो पाया, इस सम्बन्ध मे महाविद्यालय प्रबन्ध समिति द्वारा अनेको बार प्रयास किये गये तथा उस समय महाविद्यालय मे उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग से प्राचार्य तथा शिक्षको की नियुक्ति की गई। साथ ही यह भी अवगत कराया गया है कि महाविद्यालय को अनुदान सूची पर ले जाने का प्रस्ताव प्रबन्ध समिति की बैठक मे भी 20.06.2010 पारित किया जा चुका है महाविद्यालय को अनुदान सूची मे सम्मिलित करने का अनुरोध किया गया है तथा इस आशय का प्रस्ताव आगामी प्रबन्ध समिति की बैठक मे पारित कराकर प्रस्तुत करने का आश्वासन दिया गया है। अवगत कराया गया है कि–

1 गन्ना कृषक महाविद्यालय, पूरनपुर, पीलीभीत गन्ना कृषको के गन्ना मूल्य से कटौती द्वारा संचालित तथा स्ववित्त पोषित संस्था है।

2 संस्थान मे उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग द्वारा निम्नांकित विवरणानुसार प्राचार्य एवं प्रवक्ता कार्यरत रहे है तथा कुछ प्रवक्तागण अद्यतन कार्यरत है–

क्र.सं.	प्राचार्य / प्रवक्ता का नाम	पदनाम	कार्यरत अवधि
1	डॉ0 महेन्द्र सिंह	प्राचार्य	जुलाई 1996 से 30.06.2009 सेवानिवृत्ति तक
2.	डॉ0 वीरेन्द्र कुमार शर्मा	प्रवक्ता अर्थशास्त्र	जुलाई 1997 से अद्यतन
3	डॉ0 सौबान सईद	प्रवक्ता उर्दू	जुलाई 1997 से अप्रैल 2013 तक (अन्यत्र सेवारत हो गये है।
4	डॉ0 नसरीन बानो	प्रवक्ता हिन्दी	अगस्त 1999 से अद्यतन

3 महाविद्यालय की भूमि का कुल क्षेत्रफल 8.88 एकड है, जिसमे लगभग 2.5 एकड मे भवन निर्मित है। सुच्य है कि भूमि की रजिस्ट्री मे क्रेता पक्ष मे महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 सरकार द्वारा गन्ना विभाग अंकित है। भूमि की खतौनी की प्रति भी संलग्न है। भवन मे

Scanned by CamScanner

कार्यालय क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, बरेली-मुरादाबाद परिक्षेत्र, बरेली

संख्या ई-8304 जी०एस०
लखनऊ-227132, दिनांक नवम्बर 15, 1994

प्रेषक:

श्री राज्यपाल/कुलाधिपति के विशेष कार्याधिकारी
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

कुलसचिव,
रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय,
बरेली।

महोदय,

आपके पत्र संख्या रु०वि०/सम्बद्धता/94/19432-34 दिनांक जुलाई 21, 1994 के संदर्भ में मुझे आपसे यह कहने का निर्देश हुआ है कि कुलाधिपति महोदय ने उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम-1973 की धारा 31(2) के अधीन गन्ना कृषक महाविद्यालय, पूरनपुर जिला पीलीभीत को स्नातक स्तर पर हिन्दी (भाषा एवं साहित्य), अंग्रेजी (सामान्य एवं साहित्य), अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र एवं उर्दू विषयों में दिनांक 1-9-94 से तीन वर्ष की अवधि के लिए अस्थाई सम्बद्धता की स्वीकृति इस शर्त के साथ प्रदान की है कि आगामी सत्र तक महाविद्यालय अपना निजी भवन बनाकर पूर्ण कर ले।

भवदीय,

ह०/-
(म र०के०सक्सेना)
कुलाधिपति के विशेष कार्याधिकारी

रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय
बरेली।

पत्रांक: रु०वि०/सम्ब०/सी-गन्ना०महा०/94/6045 दिनांक: 16-11-94

प्रतिलिपि प्रबन्धक, प्रबन्ध समिति, गन्ना कृषक महाविद्यालय, पूरनपुर (पीलीभीत) को सूचनार्थ तथा आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

ह०/-
डा०(के०बी०सिंह)
कुलसचिव

संख्या–ई-8531/जी.एस.

लखनऊ, दिनांक 19-11-1998।

(पिन कोड नं.-227132)

प्रेषक

श्री राज्यपाल / कुलाधिपति के विशेष सचिव,

उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

कुलसचिव,
महात्मा ज्योतिबाफुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय,
बरेली।

महोदय,

मुझे आपसे यह कहने का निदेश हुआ है कि माननीय कुलाधिपति महोदय ने उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, १९७३ की धारा-३७(२) के अधीन गन्ना कृषक महाविद्यालय, पूरनपुर, जिला पीलीभीत को स्नातक स्तर पर कला संकाय के अन्तर्गत हिन्दी (भाषा एवं साहित्य), अंग्रेजी (सामान्य एवं साहित्य), अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, उर्दू एवं राजनीतिशास्त्र विषयों में दिनांक १.७.९७ से ३०.६.९८ तक की कार्योत्तर स्वीकृति एवं दिनांक ०१.७.९८ से दो वर्ष की अवधि के लिए अस्थाई सम्बद्धता के विस्तरण की स्वीकृति सहर्ष प्रदान कर दी है।

विश्वविद्यालय द्वारा यह सुनिश्चित कराया जाएगा कि शैक्षिक पचांग के अनुसार शैक्षिक दिवसों की अवधि को पूर्ण करा लिया गया है।

भवदीय,

(डा० हरशरण दास)
कुलाधिपति के विशेष सचिव।

25/11/98

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

१. सचिव, उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग,१०प्र०-१८-ए, न्याय मार्ग, (हेस्टिंग्ज रोड) इलाहाबाद।
२. प्रमुख सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग, लखनऊ।
३. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, इलाहाबाद।
४. प्रबन्धक/प्राचार्य, गन्ना कृषक महाविद्यालय, पूरनपुर पीलीभीत।
५. कम्प्यूटर सेल, राजभवन, लखनऊ।

(डा० हरशरण दास)
कुलाधिपति के विशेष सचिव।

(१५८)

संख्या ई-2968/जी.एस.

लखनऊ, दिनांक 24.04.2000।

(पिन कोड नं.-227132)

प्रेषक

श्री राज्यपाल/कुलाधिपति के विशेष सचिव,

उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

कुलसचिव,
महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय,
बरेली।

महोदय,

मुझे आपसे यह कहने का निदेश हुआ है कि माननीय कुलाधिपति महोदय ने उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, १९७३ की धारा-३७(२) के अधीन पन्ना कृषक महाविद्यालय, पूरनपुर, पीलीभीत को स्नातक स्तर पर कला संकाय के अन्तर्गत हिन्दी भाषा एवं साहित्य, अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र एवं उर्दू विषयों में दिनांक ०१.७.२००० से आगामी ०२ वर्ष की अवधि के लिए अस्थाई सम्बद्धता के विस्तरण की स्वीकृति सहर्ष प्रदान कर दी है।

भवदीय,

(अनीस सिंह)
कुलाधिपति के विशेष सचिव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

१. सचिव, उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, १०प्र०-१८ए, न्याय मार्ग, (हेस्टिंग्ज रोड), इलाहाबाद।
२. सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग, लखनऊ।
३. निदेशक, उच्च शिक्षा, उच्च शिक्षा निदेशालय, उ०प्र०, इलाहाबाद।
४. प्रबन्धक/प्राचार्य, पन्ना कृषक महाविद्यालय, पूरनपुर, पीलीभीत।
५. कम्प्यूटर सेल, राजभवन, लखनऊ।

(अनीस सिंह)
कुलाधिपति के विशेष सचिव।

(2-84)
272

राज्यपाल सचिवालय,उत्तर प्रदेश
लखनऊ-227132

1640
संख्या-ई.रा./ /जी.एस.
दिनांक 29 जुलाई,2002

प्रेषक,

श्री राज्यपाल/कुलाधिपति के विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

कुलसचिव,
महात्मा ज्योतिबाफुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय,
बरेली।

महोदय,

आपके पत्र सं0 रू0वि0/सम्ब0/2001/1505-09 दिनांक 27.12.2001 के संदर्भ में मुझे आपसे यह कहने का निदेश हुआ है कि महामहिम कुलाधिपति महोदय ने उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम,1973 की धारा 37(2)के अधीन गन्ना कृषक महाविद्यालय, पूरनपुर, पीलीभीत को स्ववित्त पोषित योजना के अन्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय में हिन्दी (सामान्य/साहित्य),अंग्रेजी (सामान्य/साहित्य), समाजशास्त्र,राजनीतिशास्त्र,अर्थशास्त्र एवं उर्दू विषयों में निम्नलिखित शर्तों के अधीन दिनांक 1.7.2002 से आगामी एक वर्ष तक की अवधि के लिए अस्थायी सम्बद्धता के अवधि विस्तरण की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी है:-

1. महाविद्यालय द्वारा इस अवधि में यू0जी0सी0/शासन द्वारा निर्धारित अर्हताधारी शिक्षकों की नियुक्ति कर उनकी नियुक्ति पर कुलपति का अनुमोदन प्राप्त कर लिया जायेगा, अन्यथा उसके बाद सम्बद्धता विस्तरण नहीं किया जायेगा एवं सोसायटी का नवीनीकरण कराकर उसकी प्रति शासन एवं महामहिम कुलाधिपति को तीन माह के भीतर उपलब्ध करा देगा ।
2. संस्था द्वारा महाविद्यालय में उपरोक्त विषयों में विद्यार्थियों का प्रवेश फीस, शिक्षकों की नियुक्ति आदि के संबंध में शासनादेश:1960/सत्तर-2-97(85) 97, दिनांक 11.11.97 के अनुसार या भविष्य में समय-समय पर जारी शासनादेश तथा विश्वविद्यालय के द्वारा निर्धारण के आधार पर कार्यवाही की जाएगी । विश्वविद्यालय द्वारा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि उक्त महाविद्यालय द्वारा शासनादेश के प्राविधानों का पूर्णरूपेण पालन किया जा रहा है ।
3. संस्था विश्वविद्यालय की परिनियमावली में उल्लिखित अस्थायी सम्बद्धता से सम्बन्धित परिनियमों का अनिवार्य रूप से अनुपालन करेगी ।
4. संस्था निरीक्षण मण्डल द्वारा निरीक्षण में इंगित कमियों को उपरोक्त अवधि में पूर्ण कर लेगी ।

भवदीय

(राकेश कुमार ओझा)
कुलाधिपति के विशेष सचिव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. सचिव उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, उ0प्र0, 1.18-ए, न्याय मार्ग, इलाहाबाद।
2. प्रमुख सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग लखनऊ ।
3. निदेशक,उच्च शिक्षा,उच्च शिक्षा निदेशालय,इलाहाबाद।
4. प्रबन्धक/प्राचार्य,गन्ना कृषक महाविद्यालय, पूरनपुर, पीलीभीत ।
5. कम्प्यूटर सेल, राजभवन, लखनऊ ।

(राकेश कुमार ओझा)
कुलाधिपति के विशेष सचिव

कार्यालय
श्री ... के ... पर ... सचिव एवं प्रबंधक महोदय को ... प्रति के साथ आवश्यक कार्यवाही हेतु उपलब्ध करा दें।
06/08/02

राज्यपाल सचिवालय, उत्तर प्रदेश,
लखनऊ 227132

संख्या-ई0 सं0 [illegible] / जी0एस0
दिनांक [illegible] / 12 / 2006

प्रेषक,

श्री राज्यपाल / कुलाधिपति के अनु सचिव
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

कुलसचिव,
महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय,
बरेली।

महोदय,

आपके पत्रांक रू०वि० / सम्ब० / ८१(१) / २००६ / ८३६६–६८ दिनांक २८–६–२००६ के सन्दर्भ में मुझे आपसे यह कहने का निदेश हुआ है कि महामहिम कुलाधिपति महोदय ने उ०प्र० राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम–१९७३ की धारा–३७ (२) के अधीन गन्ना कृषक महाविद्यालय,पूरनपुर, पीलीभीत को स्नातक स्तर पर कला संकायान्तर्गत हिन्दी,अंग्रेजी,अर्थशास्त्र,उर्दू,राजनीतिशास्त्र एवं समाजशास्त्र विषयों में स्ववित्त पोषित योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित शर्तों के अधीन दिनांक ०१–०७–२००६ से सम्बद्धता की स्वीकृति सहर्ष प्रदान कर दी है:–

१– संस्था उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी शासनादेश संख्या–२८५१ / सत्तर–२–२००३–१६ (६२) / २००२, दिनांक २ जुलाई २००३ में उल्लिखित दिशा–निर्देशों एवं समय–समय पर इस विषय में निर्गत शासनादेशों का पालन करेगी।

२– यदि संस्था द्वारा विश्वविद्यालय की परिनियमावली / अध्यादेश में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों एवं मानकों की पूर्णता एवं उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित नहीं किया जायेगा तो उ०प्र० राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम–१९७३ के सुसंगत प्राविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गई सम्बद्धता वापस लिये जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।

भवदीय,

(विजय कुमार सिंह)
कुलाधिपति के अनु सचिव

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:–

१– सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
२– निदेशक, उच्च शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा निदेशालय, इलाहाबाद।
३– प्रबन्धक / प्राचार्य, गन्ना कृषक महाविद्यालय,पूरनपुर, पीलीभीत।

(विजय कुमार सिंह)
कुलाधिपति के अनु सचिव